

सुधा वर्षाई (१२)

बाबा वृषभान राय तोखे अजु वाधाई आ ।
गौलोक जी स्वामिनी तुंहिजे घर आई आ ॥
नैति नैति चई जंहिखे वेद नितु गाइनि था
जोगी जोति रूप चई जंहिखे सदां ध्याइनि था
तंहिजी शक्ति अहिलादिनी बाल रूप आई आ ॥१॥

गाइनि वाधाई देव नारियूं गोप नारियूं मिली
कीरति जी गोद खिली कंचन कमल कली
गगन में कोट चन्द्र चांदनी सी छाई आ ॥२॥

हर्ष जी हरियाली सारे बृज में फैली आ
द्रियण वाधाई आया शंकरु ऐं शैली आ
कीरति मधुर उमा रमा मन भाई आ ॥३॥

कृष्ण प्राण जीवनी कृष्ण हित साधिका
कृष्ण जो आनन्द सचो रासेश्वरी राधिका
कृष्ण प्राण वल्लभा कृष्ण सुखदाई आ ॥४॥

गोपियुनि जी चूड़ामणि कुलमणि भानु जी
भक्तिमणी संतनि जी जननी जहान जी
हृतमणि प्रीतम जी सुधा वर्षाई आ ॥५॥

वात्सल्य रस सिंधू कृपा स्नेह सिंधू
रास जी विलास सिंधू हर्ष जी हुलास सिंधू
सुहृद् जी सुख सिंधू शोभा अधिकाई आ ॥६॥

धन्यु वृषभन बाबा धन्यु आ कीरति राणी
धन्यु धन्यु बृज भूमि प्रघटी आ सुखखानी
साई अमां धन्यु जिनि कीरति .बुधाई आ ॥७॥

करे थी कलोल मिठा कीरति किशोरी
प्यारे बृजचन्द्र मुखचन्द्र जी चकोरी
कंचन वर्षा कल्प लता सरसाई आ ॥८॥

दिसी दिसी ठरनि थियूं सभेई बृज बालाऊं
पहिराइन अमड़ि गले गुलनि जूं मालाऊं
चइनी कुंडुनि में वाधाई वाधाई आ ॥९॥

चिरु चिरु जीये अमां लाटुली ब़चिड़ी तुंहिजी
आशीशूं उचारे थी अमां रग़ रग़ मुंहिजी
मैगसि चन्द्र मालिक दिलि सां ध्याई आ ।१०।।